लखनऊ को एक्सपोर्ट हब बनाएगी नई निर्यात नीति

लखनऊ | संवाददाता

2 राजधानी से चिकनकारी, जरी जरदोजी व आम के अलावा जल्द ही सेवा, फूड प्रोसेसिंग, हर्बल व आर्गेनिक उत्पाद भी निर्यात होंगे। प्रशासन ने राजधानी को पोटेंशियल एक्सपोर्ट हब बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। निर्यात प्रोत्साहन रणनीति के तहत डिस्ट्रिक एक्सपोर्ट प्लान बन रहा है। इस प्लान को मूर्त रूप देने के लिए जिला स्तर पर कमेटी के साथ ही उत्पाद वार सब-कमेटियों का गठन भी किया गया है।

अभी राजधानी से 1100 करोड़ का निर्यात: लखनऊ से इस समय सालाना करीब 1100 करोड़ रुपये का निर्यात होता है। इनमें प्रमुख रूप से ओडीओपी के तहत चिकनकारी, जरीजरदोजी शामिल है। वहीं रसायन, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग गुड्स, आम व गेंहूं भी बड़ी संख्या में निर्यात किया जाता है।

निर्यात में वृद्धि की संभावना: जिला निर्यात प्लान तैयार होने के बाद राजधानी से निर्यात में कम से कम 37 फीसदी के उछाला की संभावना है। जोकि वर्ष दर-दर वर्ष बढ़ेगी। अभी उत्तर प्रदेश से हो रहे कुल निर्यात में लखनऊ का योगदान बहुत कम है। प्रदेश में करीब 1 लाख 21 हजार करोड़ से अधिक का सालाना निर्यात होता है। नई नीति के बाद लखनऊ की भागीदारी भी बढ़ेगी।

01 लाख 21 हजार करोड़ से अधिक का सालाना निर्यात होता है प्रदेश में

36 प्रतिशत बढ़त की संभावना जिला निर्यात प्लान तैयार होने के बाद

एक्सपोर्ट हब में क्या होगा

एक्सपोर्ट हब बनने से राजधानी में निर्यात की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। कई नए उत्पादों को निर्यात में शामिल किया जाएगा। निर्यात के लिए एक महौला बनाया जाएगा।

निर्यात के लिए नए सेक्टर जोड़े जाएंगे

प्लान के तहत निर्यात से अब सर्विस सेक्टर, एग्री व फूड प्रोसेसिंग सेक्टर, हर्बल व आर्गेनिक उत्पाद सेक्टर, सेवा क्षेत्र को जोड़ा जाएगा। वहीं सेफ्टी व डिफेंस इक्युपमेंट, हैंडीक्राफ्ट, खादी, ऑटोमोबाइल, रसायन जैसे अन्य सेक्टरों को बढ़ावा दिया जाएगा। उपायुक्त उद्योग मनोज कुमार चौरसिया बताते हैं कि निर्यात के लिए चयनित नए उत्पाद के लिए सब कमेटियां गठित की गई हैं। जो अपनी रिपोर्ट जल्द देंगी। निर्यातकों और विभागों से भी फीडबैक मांगा गया है। निर्यातकों को जरूरतों को समझ कर समस्याओं को हल किया जाएगा। इसके लिए सभी स्टेक होल्डरों से बात भी की जा रही है।